उदयपुर किरण

मंदसौर: पुलिस ने जब्त किया 25 टन नकली खाद, गोदाम से मिले ब्रांडेड खाद कंपनियों के कई कट्टे

मंदसौर, 4 नवम्बर . रबी की सीजन में खाद माफिया फिर से सक्रिय हो गए है. रबी की सीजन में खाद की मांग बढते ही नकली खाद का कारोबार जोरों पर चल रहा है. इसका प्रमाण पुलिस (Police) की शुक्रवार (Friday) को की गई कार्रवाई है. जिसमें पुलिस (Police) ने करीब 25 टन नकली खाद जब्त किया है. नकली खाद और खाद की कालाबाजारी के मामले में मंदसौर सुर्खियों में है.

हर साल खाद घोटाला, नकली खाद और खाद की कालाबाजारी के मामले सामने आते हैं. इस बार गरोठ क्षेत्र में पुलिस (Police) ने कार्रवाई की. जिसमें एक हजार नकली खाद के कट्टे जब्त कर फिर से जिले में चल रहे इस नकली खाद के गौरखधंधे को प्रमाणित किया है. यह नकली खाद दुकानों तक पहुंच रहा है. जहां इस खाद के मनमाने दाम वसूले जा रहे हैं. इस तरह से मंदसौर जिले का किसान ठगा रहा है. नकली खाद से जहां उत्पादन पर फर्क पड रहा है तो वहीं इस खाद का मूल्य अधिक चुकाने से खेती को लाभ का धंधा बनाने के सरकार के दावों की भी पोल खुल रही है. रबी की सीजन में डिमांड बढते ही नकली खाद की शिकायतें सामने आने लगी है. कलेक्टर (Collector) गौतमसिंह ने इस मामले में कृषि विभाग को कार्रवाई के निर्देश भी दिए थे. कृषि विभाग की उदासीनता को पुलिस (Police) की कार्रवाई बयां कर रही है.

गरोठ थाने के ग्राम सपानिया में पुलिस (Police) को नकली खाद के संबंध में जानकारी मिली. इसके बाद पुलिस (Police) ने रंजीतसिंह और मदनसिंह के गोदाम में दबिश दी. यहां बड़ी संख्या में खाद के कट्टे मिले. जिनकी तलाशी लेने पर उसमें खाद मिली. जब खाद की जांच की गई तो कट्टो में रखी खाद नकली पाई गई. पुलिस (Police) ने विभिन्न ब्रांड के खाली खाद के कट्टे भी जब्त किए है. इसके अलावा पुलिस (Police) को यहां टाटा नमक के फ्रेश खाली कट्टे भी मिले हैं. आशंका है कि इसमें नकली नमक ओरिजनल ब्रांड के कट्टों में भरकर खेल किया जा रहा था. इसके अलावा आईस बॉक्स भी पुलिस (Police) ने जब्त किए है.

पुलिस (Police) ने बताया कि मामले में आरोपी रंजीतसिंह और मदनसिंह फरार है. जिनके खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है. इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक अवनीश श्रीवास्तव थाना प्रभारी भानपुरा,

उपनिरीक्षक बलवीर यादव उपनिरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय,उपनिरीक्षक ममता अलावा,सउनि मांगीलाल चौहान सउनि गोपालकृष्ण चतुर्वेदी,सउनि गोबिन्द सिंह यादव,प्र आर रघुवीर सिंह,प्र आर सतीश ठाकुर,आर राजपाल,आर हेमंत पाटीदार,आर धर्मेश बैरागी का सराहनीय योगदान रहा .

दो सौ से ढाई सौ रूपए अधिक देना मजबूरी

वर्तमान में फसलों की बोवनी के दौरान डीएपी खाद की अधिक खपत होती है. इसके चलते बाजार में मांग भी अधिक है. नकदी से उर्वरक प्राप्त नहीं होने से किसान दुकानों के चक्कर लगा रहे हैं. व्यापारी किसानों से 200 से लेकर 250 रुपए तक अधिक वसूल कर रहे हैं. डीएपी 18ः46 का सरकारी मूल्य 1350 है लेकिन जिले में कहीं यह 1600 रुपए में बिक रहा है. कहीं व्यापारी 1650 रुपए तक बेच रहे हैं. वहीं, आगामी समय में गेहूं, मैथी सहित अन्य फसल के लिए भी यूरिया खाद की अधिक खपत होगी. यहीं कारण है कि खाद की कालाबाजारी के साथ ही नकली खाद का कारोबार भी चरम पर है.

डॉ. ए.के. बड़ोनिया, उपसंचालक, कृषि कल्याण एवं विकास विभाग, मंदसौर ने आज को जानकारी देते हुए बताया कि खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए सतत मॉनिटरिंग की जा रही है. इस संबंध में अधिकांष कार्रवाई भी की गई है. नियमों का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

अनुराग सुजानिया, एसपी, मंदसौर ने आज को जानकारी देते हुए बताया कि जिले के गरोठ थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस (Police) ने लगभग पच्चीस टन नकली खाद एक गोदाम से पकडी है. इस मामले में गोदाम मालिक दो लोगों की तलाष की जा रही है.

Source: https://udaipurkiran.in/hindi/mandsaur-police-confiscated-25-tons-of-bags-of-branded-fertilizer-companies-found-from-fake-fertilizer-warehouse/